पीसीपीएनडीटी एक्ट में पुलिस के हस्तक्षेप को हाईकोर्ट में चुनौती

केन्द्र और राज्य सरकार के चिकित्सा व स्वास्थ्य विभाग एवं राजस्थान अपील अथॉरिटी को नोटिस जारी

जोधपुर, (कास)। गर्भधारण एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक के उपयोग मामले में राज्य सरकार द्वारा 17 अक्टूबर 2012 को जारी किए गए नोटीफिकेशन में केंद्र सरकार के नियम 1996 धारा 17 व नियम 18ए (3) के तहत पुलिस स्टेशन के अधिकारियों को पीसीपीएनडीटी अपराध प्रकरणों मं जांच व कानून का उल्लंघन करने पर गिरफ्तारी के दिए गए अधिकार के खिलाफ राजस्थान हाईकोर्ट में न्यायाधिपति विजय विश्नोई व कुलदीप माथुर की खंडपीठ में एक याची ने फौजदारी रिट याचिका दायर की है। खंडपीठ ने याचिका की सुनवाई करते हुए भारत सरकार व राजय सरकार के चिकित्सा व स्वास्थ्य विभाग के सचिव और राजस्थान स्टेट अपील अथॉरिटी को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

अधिवक्त कैलाशनाथ जोशी ने हाईकोर्ट के न्यायाधिश विश्नोई व माथुर की खंडपीठ में याची मोहम्मद नियाज की ओर से इस संबंध में याचिका दायर कर कहा कि केंद्र सरकार ने लोकसभा में गर्भधारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक (लिंग चयन प्रतिवैध) कानून पारित किया था। इस कानून को न तो परिवर्तित किया जा सकता है और न ही इसमें हस्तक्षेप किया जा सकता है। केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए नियमों में स्पष्ट लिखा है कि ऐसे मामलों में जहां तक संभव हो, पुलिस का दखल एवं कोई कार्रवाई नहीं होनी चाहिए।

अधिवक्ता जोशी ने पैरवी करते हुए कहा कि याची के खिलाफ 16 अगस्त 2016 को पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 315, 406, 420 एवं 120 बी आईपीसी के तहत मामल दर्ज किया है, जबकि राज्य सरकार के 17 अक्टूबर 2012 के नोटीफिकेशन की आड में याची के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की जा सकती, क्योंकि यह नोटिफिकेशन संविधान की धारा 254 के विरूद्ध है एवं राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र के बाहर है, अत: इसे रद्द किया जाए। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने याची के अधिवक्ता की दलील सुनने के बाद संबंधित सरकारी विभागों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

जहरीला पानी पीने से आठ बच्चों सहित 10 बीमार

गांव सात बीडी में आए थे नरमा चुगने, गांव पांच बीडी के हैं रहने वाले

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के रावला इलाके के गांव सात बीडी में जहरीला पानी पीने से दो महिलाओं और आठ बच्चों सहित दस लोगों की हालत बिगड़ गई। उन्हें रावला के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। अब सभी दस रोगियों की हालत में सुधार है।

रावला इलाके के गांव पांच बीडी में इन दिनों परिवार नरमा चुगाई के लिए आया हुआ है। इस परिवार की दो महिलाएं और आठ बच्चे खेत में नरमा चुगाई के लिए निकले थे। ये लोग खेत जाते समय जिस मटके से पानी बोतल में भरकर ले गए उसमें पहले पेस्टिसाइड रखा गया था। इससे मटके में पेस्टिसाइड का असर था। परिवार ने इस मटके से पानी बोतल में भरा और बोतल लेकर खेत चले गए। वहां जाने के कुछ देर बाद परिवार के कुछ लोगों ने पानी पीया तो उन्हें उलटियां होने लगीं। इस पर आसपास काम कर रहे मजदूर उन्हें लेकर गांव 365 हैड के सरकारी अस्पताल पहुंच गए। जहां से उन्हें रावला रैफर कर दिया गया। रावला के सरकारी अस्पताल में इनका इलाज शुरू किया गया है।

रावला के सरकारी अस्पताल के प्रभारी डॉ.सुशील चोटिया ने बताया कि उनके यहां दो महिलाएं और आठ बच्चे भर्ती हुए हैं। इन्होंने पेस्टिसाइड वाले मटके में रखा पानी पी लिया था। इन्हें उलटियां होने पर पहले 365 हैड और फिर रावला के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। यहां उनकी हालत खतरे से बाहर है। उनका इलाज किया जा रहा है। रावला के अस्पताल में माया (40) पत्नी हरनाम सिंह, पूनम (12) पुत्री राजू सिंह, राजकुमारी (16) पुत्री राजू सिंह, रजिया (12) पुत्री राजू सिंह, गंगादेवी (15) पुत्री हरनाम सिंह, विनोद (14) पुत्र हरनाम सिंह और विजय सिंह (10) पुत्र हरनाम सिंह, चरणजीत (12) पुत्र राजू सिंह तथा दो अन्य महिला और बच्ची शामिल हैं।

पीड़ित छात्र के पिता ने लगाए स्कूल प्रबंधन पर आरोप

स्कूल में छात्र के साथ बेरहमी से मारपीट मामला

झुंझुनूं, (निसं)। शहर में पांच दिन पहले स्कूल में एक बच्चे के साथ की गई बेरहमी के साथ मारपीट मामले में पुलिस आज तक खाली हाथ है। वहीं परिजनों ने पुलिस के साथ-साथ स्कूल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए है और स्कूल के सभी बच्चों से वन टू वन बातचीत कर स्कूल में हुए पूर्व के प्रकरणों की जांच कराने और स्कूल के माहौल के बाद मुताबिक स्कूल के खिलाफ बड़ा एक्शन लेने की मांग की है।

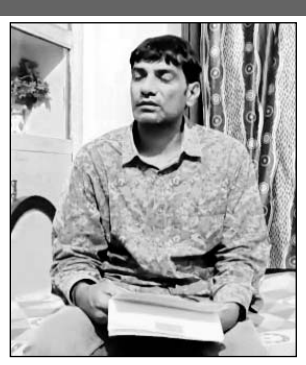

पीड़ित छात्र के पिता महेश सैनी।

पीड़ित छात्र के पिता महेश सैनी पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि पांच दिन बीत जाने के बाद भी कोतवाली पुलिस मामले में लीपापोती कर रही है। बार-बार आग्रह करने के बावजूद स्कूल से सीसीटीवी फुटेज नहीं लिए गए है। वहीं मुझ पर समझौते को लेकर लगातार दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने स्कूल के कॉर्डिनेटर करने वाले पदाधिकारी का नाम लेते हुए राज्य बाल आयोग, जिला बाल कल्याण समिति, कलेक्टर, एसपी और बाल अधिकारिता विभाग में शिकायत की है। जिसमें उन्होंने कहा है कि कॉर्डिनेटर के रसूख के चलते पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। वहीं उसके बेटे की हालत चिंताजनक बनी हुई है।

- पीड़ित छात्र के पिता ने बताया कि साक्ष्यों को खत्म करने का काम कर रहा प्रबंधन
- मामले में लीपापोती कर रही पुलिस

इधर, मामले की जांच कर रहे कोतवाली पुलिस के एएसआई आशुतोष ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी गई है। इस मामले में स्कूल प्रबंध की ओर से भी कोई भी प्रतिक्रिया नहीं आ रही है। जिसे लेकर सभी को इंतजार है। ताकि स्कूल प्रबंधन ने भी अपना पक्ष रखे। हमने भी संपर्क किया। लेकिन हो नहीं पाया।

रीट लेवल-2 में पद यथावत रखने की मांग

उदयपुर, (कासं)। रीट लेवल.2 में पद वापस पहले की तरह रखने की मांग को लेकर युवा बेरोजगारों ने उदयपुर में कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। उल्लेखनीय है कि हाल ही में जारी विज्ञप्ति पर आक्रोश जताते हुए युवाओं ने शीघ्र ही मांगें पूरी करने की मांग पुरजोर तरीके से रखी। प्रदर्शन करने वाले युवाओं ने कहा कि इस बारे में मांग पूरी नहीं होने तक युवाओं द्वारा विरोध और प्रदर्शन का दौर बना रहेगा।दरअसल रीट लेवल.2 में राजस्थान के युवाओं और बेरोजगारों के लिए नौकरियां लाने जा रहे है।

इसी क्रम में बजट 2022 में रीट भर्ती की घोषणा भी की है। इसमें बजट 2022 में रीट लेवल-2 के 31500 पद प्रस्तावित थे जो कि घटाकर 25500 कर दिए गए। इसमें से मुख्य परीक्षा के लिए 6 हजार पदों की कटौती की है। लेवल-2 के अभ्यर्थियों में पद घटने से युवाओं में आक्रोश व्याप्त है। युवाओं ने पूर्व में जो पद ; 31500 प्रस्तावित थे। उन्हें फिर पहले की तरह यथावत कर बेरोजगार युवाओं को राहत प्रदान कर न्याय दिलाने की मांग की।

ओवरलोड डम्फरों के खिलाफ ग्रामीणों का प्रदर्शन

दयाल की नांगल जीलो सड़क का है मामला

पाटन, (निसं)। उपखंड क्षेत्र के ग्राम दयाल की नांगल से जिलो जाने वाली सडक पर ओवर लोड डम्फर की रोकथाम को लेकर दयाल की नांगल के सैकड़ों ग्रामीणों ने अतिरिक्त जिला कलक्टर अनिल महला एवं उपखंड अधिकारी ब्रजेश कुमार को ज्ञापन देकर ओवर लोड डम्फरो के खिलाफ कार्यवाही की मांग की।

ग्रामीणों ने अवगत कराया कि दयाल की नांगल से जीलो को जाने वाली सडक प्रधानमंत्री योजना के तहत बनी है, जिसमें सडक के नजदीक गांव के विद्यालय भी है। उक्त सडक पर कुछ समय से जीलो स्टेशन पर - क्रेशर मालिक मनोज घुमरिया ने रोडी व डस्ट का टैंडर ले रखा है। क्रेशर मालिक मनोज घुमरिया द्वारा उक्त सडक पर ओवरलोड डम्फर डस्ट व रोडी भरकर करीब 40-50 टन से उक्त सडक पर आबादी के अंदर से होकर विद्यालय के नजदीक से ले जा रहे हैं, जिससे गांव में कोई भी अप्रिय घटना घट सकती है।

ओवरलोड डंपरों के आवागमन से ठाामीणों में आक्रोश व्याप्त है। क्रेशर

ग्राम दयाल की नांगल के सैकड़ों ग्रामीणों ने एडीएम को ज्ञापन दे कार्यवाही की मांग की।

मालिक ऊंची पहुंच वाला है ,दयाल की नांगल व झालरा के लोगों ने विरोध भी व्यक्त किया तथा मिटिंग भी की । नियमानुसार प्रधानमंत्री योजना के तहत बनी सडको पर कुल 8 टन से अधिक वजन वाले वाहन नही चलाया जा सकते। अगर कोई व्यक्ति उक्त सडकों पर 8 टन से अधिक भार का वाहन संचालित करता है तो उनके विरुद्ध धारा 188 के तहत कार्रवाई की जा सकती है। ज्ञापन देने के दौरान सरपंच मालीराम, उप सरपंच सुभाष, एडवोकेट राजेंद्र भाटिया, संतोष झालरा, बलबीर सिंह, मूलचंद, बनवारी, ओंकार दास महाराज, बिरजू गुर्जर, कैलाश चन्द, जयराम, नरेश, प्रविण, मोहन, श्याम, रोहित कुमार सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

25 लाख की अवैध शराब बरामद

उदयपुर, (कासं)। आबकारी विभाग ने तीन अलग-अलग वाहनों से लगभग 25 लाख की अवैध शराब बरामद की। विभिन्न स्थानों पर कार्रवाइयों को अंजाम देते हुए टीम ने चार आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है। अतिरिक्त आबकारी आयुक्त के निर्देशन में सख्त नाकाबंदी की गई।

मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर खेरवाडा टोल नाके के पास एक पिकअप की बॉडी से 134 कार्टन अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की गई। मौके से चालक मुकेश पुत्र जैसा राम जाट निवासी दौलतपुरा, सीकर और सह चालक नितेश पुत्र मक्खन लाल सैनी निवासी नवलगढ झुंझुनूं को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने शराब फर्जी बिल्टी के सहारे लोहार्गल से डूंगरपुर ले जाया जाना बताया। सहायक आबकारी अधिकारी अजय जैन ने बताया कि विभाग की नाकेबंदी के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 8 पर बंजरिया मोड पर एक आयशर ट्रक की बॉडी से सब्जी भरने वाले प्लास्टिक केरेट के नीचे रखी 400 कार्टन अवैध शराब बरामद की गई। वही वाहन चालक प्रकाश पुत्र गोवर्धन रेबारी निवासी नाई, उदयपुर को गिरफ्तार किया।

सड़क पर सामान रखने पर पुलिस करेगी कार्यवाही

'सरकार द्वारा रोक लगाने के बाद भी दुकानों पर मिल रही पॉलीथिन'

खेतड़ी, (निसं)। नगर पालिका परिसर में बुधवार शाम को दीपावली के त्यौहार को लेकर पुलिस व व्यापारियों के बीच बैठक का आयोजन किया गया। सीआई विनोद सांखला की अध्यक्षता में हुई बैठक में व्यापारियों को दीपावली के त्यौहार को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

बैठक को संबोधित करते हुए सीआई विनोद सांखला ने बताया कि मुख्य बाजार में सडक पर रेहडिया व दुकान के आगे सामान लगाने से रास्ता संकरा हो जाता है। जिससे आमजन को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पडता है। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी व्यापारी ने सडक पर रेहडियों को लगाया या दुकान के आगे सामान सडक पर लगाया तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

इस दौरान उन्होंने सडक पर लगी रेहडियों को हटाने, दुकान के आगे सामान भी नहीं लगाने, सामान लगाने से संकरे हुए रास्तों को खाली करने, बाजार को साफ सुथरा बनाने मे पुलिस व पालिका का सहयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने व्यापारियों से कहा कि सरकार द्वारा पॉलीथिन पर रोक लगाने के बावजूद भी दुकानों पर पॉलिथीन का प्रयोग किया जा रहा है। जल्द ही पालिका के सहयोग से अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान यदि कोई पॉलीथीन बेचता पाया गया तो उसके खिलाफ पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही की जाएगी।

बैठक के दौरान पुलिस अफसरों ने व्यापारियों से समझाइश की।

सर्दी का मौसम शुरू होने के साथ ही चोरियां भी बढ जाती हैं। जिनके खिलाफ जागरूक होकर रहे। वहीं कस्बे में संदिग्ध व्यक्ति दिखाई देने पर तुरंत पुलिस को सूचना दें। इस दौरान उन्होंने व्यापारियों से दीपावली के त्यौहार पर बेहतर व्यवस्था बनाने में सहयोग करने की बात कही। बैठक के दौरान पार्षद लीलाधर सैनी ने सभी व्यापारियों से अपने आस-पास साफ सफाई का विशेष ध्यान देने व नालियों में कचरा नहीं डालने की अपील की।

इस मौके पर व्यापार मंडल अध्यक्ष नवल किशोर पारीक, उपाध्यक्ष सुधीर गुप्ता, महेंद्र पारीक, अमरचंद शर्मा, विद्याधर सैनी, पार्षद मोहम्मद हारुन, चिमनलाल सोनी, श्यामसुंदर, राजकुमार पपूरनिया, हंसराज वर्मा, कुंदन सिंधी, प्रवीण गुप्ता, संदीप व्यास, किशन सिंधी, पंकज सिंधी, कैलाश, प्रेमचंद सिंधी, कन्हैयालाल सैनी, नरेश कुमार, सुनील कुमार, एचसी राजकुमार सहित अनेक लोग मौजूद थे।

बैंक के बीसी संचालक का बैग पार

मण्डरायल/करौली, (नि.स.)। मण्डरायल बड़ौदा बैंक से बीसी (बैंक मित्र) संचालक जितेंद्र सिंह के 3 लाख 35 हजार रुपये के भरे बैग को चोर ले गया जिसका मण्डरायल थाने पर बीसी संचालक ने मामला दर्ज कराया। बीसी संचालक जितेंद्र सिंह ने बताया कि वह गुरुवार को दोपहर 12 बजे के करीब बैंक से रुपये लेने गया जहां उसने अपने ऑडी खाते से 3 लाख 10 हजार और सेविंग खाते से 25हजार रुपये निकालकर बैग में रख लिए। बैग में रखने के बाद वह बैंक में बैग को बैंक कर्मचारी की टेबल पर रख कर कुछ काम करने लग गया। उधर घात लगा कर बैठा एक युवक बैग को उठाकर ले गया जब बीसी संचालक ने बैंक कर्मचारी की टेबल पर अपना बैग देखा बैग नहीं मिलने पर हक्का-बक्का रह गया और पूछताछ शुरू की बैंक में आने वाले उपभोक्ताओं और कर्मचारियों से पूछताछ की लेकिन बैग नहीं मिला। उसके बाद बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरा में फुटेज देखे तो एक अज्ञात युवक बैग को ले जाते कैमरे में कैद पाया गया बीसी संचालक ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

सड़क हादसे में अध्यापक की मौत, छह घायल

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ थाने के तारानगर सादुलपुर सडक मार्ग पर धोलिया टोल नाके से करीबन 2 किलोमीटर आगे एक कार व पीकअप गाडी की हुई जबरदस्त टकर में कार सवार एक अध्यापक की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं पिकअप गाडी में सवार करीबन आधा दर्जन के आसपास लोग घायल हो गये। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड गये तथा पीकअप गाडी में पलटा खा गई।

- पिकअप में सवार यूपी के करीबन आधा दर्जन लोग घायल हो गये

दुघर्टना के दौरान मौके पर वाहनो की लम्बी-लम्बी कतारे लग गई। उपस्थित अन्य वाहन चालको की कडी मशक्कत के बाद कार चालक को निकाला। घटना के दौरान पुलिस को देरी से मिली सूचना के बाद मौके पर पुलिस नहीं पहुंच पाई थी। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत महलाना के गाँव बास धेतरवाल निवासी अध्यापक धनपत जाट ददरेवा की ओर से अपने गाँव जा रहे थे तथा तारानगर की ओर से एक पीकअप गाडी में सवार होकर यूपी के जातरू ददरेवा गोगाजी के जा रहे थे। जैसे ही कार सेऊवा व महलाना बस स्टेण्ड के पास पहुँची तो यूपी की पीकअप गाडी उनकी कार से टकरा गई तथा कार की भंयकर टकर के कारण कार में सवार अध्यापक धनपत धेतरवाल की मौके पर ही मौत हो गई तथा पीकअप गाडी में सवार करीबन आधा दर्जन जातरू घायल हो गये।

घटना के बाद सामाजिक कार्यकर्ता श्रवण सिंह राठौड, सोमवीर राठौड व पूर्व पंचायत समिति सदस्य रामनिवास खीचड अध्यापक धनपत धेतरवाल को राजकीय रैफरल अस्पताल में ले गये, जहां चिकित्सको ने उसे मृत घोषित कर दिया। तथा समाचार लिखे जाने के दौरान मृतक अध्यापक धनपत धेतरवाल के शव को राजकीय रैफरल अस्पताल राजगढ के मोर्चरी रूम में रखवाया गया है।

स्टूडेंट ने पहली बार एसडीपी डोनेट की

कोटा, (निसं)। परिवार में धार्मिक, सामाजिक संस्कार से संताने ना केवल आदर्श प्रस्तुत करती हैं बल्कि परिवार को गौरांवित भी करती हैं, समाज में ऐसे युवा हैं, जो अपने प्रोफेशन को भी ये सोच कर चुन रहे हैं कि उन्हें सेवाकार्य करना है। हम बात कर रहे हैं टीम जीवनदाता के संयोजक व लायंस क्लब के रीजन चेयरमैन भुवनेश गुप्ता के पुत्र नमन गुप्ता की।

नमन गुप्ता ने पहली बार एसडीपी डोनेट की। वह केवल अभी 18 वर्ष के हैं और रक्तदान भी नही किया। नमन ने बताया कि वह पहले एसडीपी ही डोनेट करना चाहते थे, जितनी ज्यादा जटिलता पहली बार होगी उसके बाद कष्ट कम होगा। नमन कोटा में एलेन कोचिंग से नीट की तैयारी कर रहे हैं। चिकित्सा का ये कैरियर भी इसीलिए चुना है कि वह चयनित होकर व श्रेष्ठ डॉक्टर बनकर दूसरों की सेवा करना चाहते हैं।

गुप्ता बताते है कि उनके पास निजी अस्पता में भर्ती महावीर नगर निवासी कोचिंग छात्रा अंकिता चौहान (14) के पिता संजय सिंह और मामा सुदर्शन राजावत का काल आया और बी पॉजिटिव की एसडीपी की व्यवस्था हेतु अनुरोध किया। बिटिया अंकिता की प्लेटलेट्स गंभीर बुखार के कारण गिरती जा रही थी। नमन कोचिंग जाने की तैयारी में था कि पापा की फोन पर इस केस के विषय में हुई चर्चा ने उसके पैरो को रोक दिया।

नमन ने जिद्द की और मासूम बहन की जान बचाने के लिए तलवंडी स्थित अपना ब्लड बैंक आकर एसडीपी डोनेट की। नमन ने एसडीपी डोनेशन के दौरान कहा कि बचपन से ही रक्तदान, एसडीपी, प्लाज्मा जैसे शब्द घर में आमतौर पर चर्चा का विषय हुआ करते थे। नमन की मां डॉ क्षिप्रा गुप्ता और दादी शकुंतला गुप्ता ने बहुत प्रोत्साहित किया। नमन का कहना है कि वे रोगी, अस्पताल और दवाइयों के बारे में सुना करते थे, लोगों की पीड़ा को देखकर पिता से कई बार कहा कि क्या मै भी इस नेक कार्य की शुरूआत कर सकता हूं तो पता चला की 18 वर्ष के बाद कर सकते हैं। तब से इस दिन और अवसर का इंतजार था और अब पहली बार एसडीपी डोनेशन के बाद लगातार डोनेशन करने के साथ साथी मित्रों को भी मोटिवेट करेंगे। नेक सेवाकार्य की शुरूआत करवाने का श्रेय नमन अपनी मम्मी पापा और दादी को देते है।

भारत-पाक बॉर्डर पर भूकंप के झटके

अनूपगढ़, (निसं)। भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र में बीती रात को भूकम्प के झटके महसूस किए गए । रात्रि 9 बजकर 58 मिनट पर महसूस किए गए झटकों के साथ एक तेज धमाके की आवाज भी सुनाई दी गई।

इसके बाद लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। वार्ड नम्बर 25 निवासी भामाशाह मोहित छाबड़ा , वार्ड नं 14 के पार्षद सन्नी धायल और आदर्श कॉलोनी निवासी नरेश छींपा ने बताया कि रात 9 बजकर 58 मिनट पर घरों के दरवाजे खिडकियां हिलते महसूस किए गए। वहीं एक तेज धमाका भी सुनाई दिया जो आम तौर पर भूकंप आने पर नहीं सुनाई देता। झटकों को लेकर कई सोशल मीडिया ग्रुप में अलग-अलग चर्चाएं चली। लोगों ने अपने-अपने टीवी सैट शुरू कर समाचार सुने लेकिन समाचार चैनल पर केवल भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र में भूकंप के समाचार चल रहे थे। लोगों ने दूर दराज रहने वाले अपने रिश्तेदारों से भूकंप के बारे में जानकारी ली लेकिन सीमावर्ती क्षेत्र के अलावा कहीं भी भूकंप के समाचार नहीं मिले हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण यह धमाका किसी सैन्य गतिविधि का हो सकता है, लेकिन इसके संबंध में भी कोई पुष्टि नहीं हुई है।

डॉक्टरों की कमी से जूझ रहा तीस हजार से अधिक की आबादी वाला सूरजगढ़ कस्बा

अस्पताल में स्त्री रोग विशेषज्ञ ना होने से नहीं जाना चाहती गर्भवती महिलाएं

सूरजगढ़, (निसं)। तीस हजार से अधिक की आबादी वाला कस्बा डॉक्टरों की कमी से जूझ रहा है। सात चिकित्सक पद स्वीकृत होने के बाद भी चार चिकित्सकों के भरोसे अस्पताल चल रहा है। स्त्री रोग विशेषज्ञ नहीं होने से महिला मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रतिदिन 400 मरीजों की ओपीडी होने के साथ-साथ 100 से अधिक महिला मरीज शामिल है।

अस्पताल पर स्त्री रोग विशेषज्ञ के रूप में महिला डॉक्टर का होना बेहद जरूरी है। सामान्यता महिलाएं अपनी हर बीमारी के बारे खुलकर पुरुष डॉक्टर को नहीं बताती हैं। जिसके कारण सही समय पर इलाज न होने से उनका मर्ज बिगड़ जाता है और आगे चलकर उन्हें ऑपरेशन जैसी स्थिति से भी गुजरना पड़ जाता है। कई बार जनरल चिकित्सक महिला बीमारियों को ठीक ढंग से पकड़ नहीं पाते और सामान्य बुखार भी आगे चलकर मलेरिया, टाइफाइड बन जाता है। वहीं गर्भवती महिलाओं को समय-समय पर जरूरी जांच भी करवाना होती हैं। लेकिन वे स्त्री रोग विशेषज्ञ नहीं होने के चलते जरूरी जांचें नहीं करवा पाती हैं। जिससे आगे चलकर परेशानी का सामना करना पड़ता है। जानकारी के अनुसार स्त्री रोग विशेषज्ञ ना होने के चलते दो महिला एमबीबीएस चिकित्सकों द्वारा महीने की दस डिलीवरी केस करवा पा रहे हैं। दूसरी ओर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों की कमी भी बनी हुई है।

फिजीशियन, सर्जन, एनेथिसिया नहीं होने से आए दिन परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर क्षेत्र की 100 गांवों के लोग स्वास्थ्य सुविधा के लिए निर्भर है। वहीं प्रशासन को जानकारी होने के बाद भी कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे है। मरीजों को इलाज के लिए पिलानी या चिड़ावा प्राइवेट अस्पताल जाना पड़ता है। इसके अलावा नर्सिंग स्टाफ की कमी से भी इनकार नहीं किया जा सकता जानकारी के मुताबिक 9 नर्सिंग स्टाफ से ही काम चलाया जा रहा है।

दो महीने से यही हाल एक्सरे सेवा का, मरीजों को नहीं मिल रहा सेवाओं का लाभ:- एक तरफ सरकार सरकारी अस्पतालों में फ्री जांच के नाम पर वाहवाही लूट रही है। तो दूसरी तरफ अस्पतालों में संसाधन धूल फांक रहे है और सुविधाएं दम तोड़ रही है। जहां पर पिछले दो महीने से एक्सरे सुविधा बंद पड़ी है। कारण है कि एक्सरे टेक्निशियन का तबादला हो गया। जिसके चलते यहां आने वाले दिनभर में दो दर्जन से अधिक मरीजों को फ्री जांच की सुविधा भी नहीं मिल रही है और मोटी रकम चुकाकर अस्पताल के बाहर एक्सरे करवाना पड़ रहा है।

यही हालत अस्पताल में करीब छह महीने पहले स्थापित सोनोग्राफी मशीन का है। विधायक सुभाष पूनियां ने अपने कोटे से करीब 17 लाख रूपए खर्च कर अस्पताल में सोनोग्राफी मशीन लगाई। इच्छा थी कि सोनोग्राफी की सुविधा शुरू हो जाएगी। लेकिन विडंबना है कि छह महीने पहले जब सोनोग्राफी सेंटर का फीता काटा गया था। तब से ही इस सेंटर के आगे ताला लगा हुआ है। कारण कि यहां पर रेडियोलॉजिस्ट नहीं है। लेकिन एक्सरे टेक्निशियन संदीप कुमार झुंझुनूं के नवलगढ़ का रहने वाला था। उसने अपना तबादला नवलगढ़ ही करवा लिया। सरकार ने अभी उसकी जगह दूसरा कोई कार्मिक लगाया नहीं है। जिसके कारण अस्पताल में आने वाले रोगियों के एक्सरे नहीं हो पा रहे है।

''अस्पताल में 7 चिकित्सकों के पद स्वीकृत हैं लेकिन 4 चिकित्सक ही कार्यरत हैं। स्त्री रोग विशेषज्ञ सहित फिजीशियन की आवश्यकता है। एक्सरे टेक्निशियन का तबादला होने के कारण फिलहाल एक्सरे सुविधा नहीं है। जल्द ही सुविधा शुरू होगी। सोनोग्राफी के लिए रेडियोलॉजिस्ट की मांग की है। रेडियोलॉजिस्ट के पदस्थापन के साथ सुविधा शुरू होगी। हमारी तैयारी पूरी है।''

- सीएचसी प्रभारी डॉ. हीरेंद्र धनखड़

''डिमांड व जनता की सुविधा को देखते हुए सोनोग्राफी मशीन सहित एक्स-रे डिजिटल मशीन भी अस्पताल प्रशासन को दिला दी गई है। एक करोड़ से अधिक के मेडिकल उपकरण दिलाए। सरकार की उदासीनता के चलते करोड़ों के उपकरण धुल फांक रहे हैं। लोगों को सुविधा नहीं मिल पा रही है। वर्तमान सरकार व कांग्रेस पार्टी से जुड़े प्रतिनिधि की हठधर्मिता के चलते आम जनता तक लाभ नहीं पहुंच पा रहा है। आदर्श सीएससी को बदनाम करना चाहते हैं। स्त्री रोग विशेषज्ञ व फिजीशियन के लिए भी सरकार को मांग भेज रखी है।''

-सूरजगढ़ विधायक सुभाष पूनियां